

झोली फैलाई मैंने खाली
 भर दे मङ्गल शेरोंवाली
 मङ्गल शेरोंवाली-माता- मङ्गल मेंहरोंवाली
 झोली फैलाई मैंने खाली
 भर दे मङ्गल शेरोंवाली

ऊँचे-ऊँचे पर्वत- भवन सुहाना
 भवन सुहाना तेरा भवन सुहाना
 महिमा है- महिमा है-
 महिमा है मङ्गल की निराली
 दाती सुन जोती वाली
 सुन जोती वाली दाती- सुन लाटा वाली
 झोली फैलाई----

जनम्- जनम् के हम दुखवाले
 हम दुखवाले मैया हम दुखवाले
 सुन लो- सुन लो-
 सुन लो मङ्गल करुणावाली
 दाती तू मेंहरों वाली
 तू जोती वाली- दाती- तू लाटा वाली
 झोली फैलाई----

पावन चरण तुम्हारे माता
तुम्हारे माता - उम्बे माता
इनको - इनको -

इनको निहारें सवाली
दाती तू पर्वत वाली
तू पर्वत वाली दाती
तू शेरों वाली

झोली फेंलाई ---

तेरे "श्री बाबा श्री" म^५ हर पल पुकारें
हर पल पुकारें - मैया हर पल निहारें
हर पल पुकारें दाती, हर पल निहारें
करना - करना -

करना सदा रखवाली
मैया तू ममता वाली
तू ममता वाली मैया
तू क्षमता वाली

झोली फेंलाई ---